

कार्यालय जिलाधिकारी, पिथौरागढ़।
पत्रांक: 1116 / जि०यो०-प्र०वि०स्वी०/2008-09 दिनांक: 3/6.2008
कार्यालय झाप

शासनादेश संख्या 422/XVI/08/7(25)/08 उद्यान एवं रेशम अनुभाग - 1 दिनांक 17 अप्रैल, 2008 द्वारा उद्यान विभाग के वर्ष 2008-09 में अनुदान संख्या - 29 आयोजनात्मक पक्ष में जिला सैक्टर की चालू योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु निम्न मदों में धनराशि आवंटित की गयी है। (धनराशि हजार रु० में)

क्रम सं०	योजना का नाम	अवमुक्त धनराशि/आहरण वितरण अधिकारी		योग
		जिला उद्यान अधिकारी पिथौरागढ़	आलू एवं शाखभाजी विकास अधिकारी मुनस्यारी	
	अनुदान संख्या - 29			
1.	9111-फल एवं सब्जियों को सुखाकर प्रसंस्करण की योजना	255	-	255
2.	9112-उन्नत किस्म की रोपण सामग्री का उत्पादन पौधालय विकास	800	412	1212
	कुल धनराशि	1055	412	1467

शासनादेश संख्या 425/XVI/08/7(26)/08 उद्यान एवं रेशम अनुभाग - 1 दिनांक 15 अप्रैल, 2008 द्वारा उद्यान विभाग के वर्ष 2008-09 में अनुदान संख्या - 30 आयोजनात्मक पक्ष में जिला सैक्टर की चालू योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु निम्न मदों में धनराशि आवंटित की गयी है। (धनराशि हजार रु० में)

क्रम सं०	योजना का नाम	अवमुक्त धनराशि/आहरण वितरण अधिकारी		योग
		जिला उद्यान अधिकारी पिथौरागढ़	आलू एवं शाखभाजी विकास अधिकारी मुनस्यारी	
	अनुदान संख्या - 30			
1.	0201-प्रदेश के अनु०जाति बाहुल्य क्षेत्रों में औद्योगिक विकास	200	185	385
2.	0292-उन्नत किस्म की रोपण सामग्री का उत्पादन पौधालय विकास	260	252	512
	कुल धनराशि	460	437	897

शासनादेश संख्या 426/XVI/08/7(27)/08 उद्यान एवं रेशम अनुभाग - 1 दिनांक 15 अप्रैल, 2008 द्वारा उद्यान विभाग के वर्ष 2008-09 में अनुदान संख्या - 31 आयोजनात्मक पक्ष में जिला सैक्टर की चालू योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु निम्न मदों में धनराशि आवंटित की गयी है। (धनराशि हजार रु० में)

क्रम सं०	योजना का नाम	अवमुक्त धनराशि/आहरण वितरण अधिकारी		योग
		जिला उद्यान अधिकारी पिथौरागढ़	आलू एवं शाखभाजी विकास अधिकारी मुनस्यारी	
	अनुदान संख्या - 31			
1.	14-फल एवं सब्जियों को सुखा कर प्रसंस्करण की योजना	55	-	55
2.	15-उन्नत किस्म की रोपण सामग्री का उत्पादन/ पौधालय विकास	70	59	129
	कुल धनराशि	125	59	184
	उपरोक्त शासनादेशों का बृहद योग	1640	908	2548

इस प्रकार उक्त तीनों शासनादेशों से उक्तानुसार कुल 25.48 लाख रु० (पच्चीस लाख अड़तालिस हजार रु०) की धनराशि अवमुक्त/निर्वतन पर रखी गयी है।

जिला उद्यान अधिकारी पिथौरागढ़ ने अपने पत्र संख्या 306/लेखा-बजट/2008-09 दिनांक 16.05.2008 द्वारा उक्त आवंटित धनराशि की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति चाहने हेतु इस कार्यालय को प्रस्ताव प्रस्तुत किया है।

उक्त शासनादेशों में दिये निर्देशानुसार तथा जिला उद्यान अधिकारी द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव के क्रम में वर्ष 2008-09 की जिला योजना में उद्यान विभाग पिथौरागढ़ हेतु जिला नियोजन एवं अनुश्रवण समिति से अनुमोदित उपरोक्त कार्यों के सम्पादन हेतु मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या 624/जि०यो०/रा०यो०आ०/मु०स०/2008 दिनांक 24.03.2008 में निहित प्राविधानों के अन्तर्गत उपरोक्तानुसार जिला उद्यान अधिकारी पिथौरागढ़ को कुल 16.40 लाख रु० तथा आलू एवं शाखभाजी अधिकारी मुनस्यारी को 9.08 लाख रु० कुल 25.48 लाख रु० की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति निम्न शर्तों के अधीन प्रदान की जाती है।

क्रमशः-2

1. उक्त शासनादेशों में उल्लेखित समस्त शर्तों एवं प्राविधानों का पालन सुनिश्चित किया जाय।
2. इस धनराशि का व्यय केवल जिला नियोजन एवं अनुश्रवण समिति द्वारा वर्ष 2008-09 में अनुमोदित कार्यों के लिये किया जायेगा।
3. स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष व्यय स्वीकृत योजनाओं पर ही आधेति सीमा तक किया जाय। धनराशि का व्यय वर्तमान वित्तीय नियमों/शासनादेश के तहत किया जाय। जहाँ आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की पूर्ण सहमति/स्वीकृति प्राप्त कर ली जाय।
4. भिन्न मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो उसमें धनराशि व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृतियों अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
5. स्वीकृति धनराशि ऐसे कार्यों पर व्यय न की जाय जिसमें किसी प्रकार का विवाद हो।
6. स्वीकृत धनराशि का उपयोग 31 मार्च, 2009 तक कर लिया जाय तथा उपयोगिता प्रमाण पत्र एवं प्रगति विवरण विभागाध्यक्ष/शासन को उपलब्ध कराया जाय।
7. किसी भी शासकीय व्यय हेतु भण्डार कय प्रक्रिया वित्तीय नियम संग्रह खण्ड 1 वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिष्पादन नियम संग्रह खण्ड 5 भाग-1 आय व्यय सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल) तथा अन्य सुसंगत नियम/शासनादेश आदि का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाय।
8. व्यय केवल उन्हीं मदों में किया जाय जिनके लिए यह स्वीकृति निर्गत की जा रही है। आहरण/व्यय एक मुरत न करके आवश्यकता अनुसार ही किया जाय।
9. व्यय करते समय गतिव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय।
10. उपरोक्त स्वीकृति की जा रही धनराशि का आहरण/व्यय शासनादेशों में निहित शर्तों के अधीन किया जाय।
11. स्वीकृत धनराशि का उपयोग प्रमाण पत्र शासन/विभागाध्यक्ष को प्रस्तुत किया जायेगा।
12. मासिक व्यय विवरण/बी0एम0-8 प्रत्येक माह अपने विभागाध्यक्ष को प्रेषित करना सुनिश्चित करें।
13. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय अनुदान संख्या 29, 30 एवं 31 आयोजनागत के अन्तर्गत उक्त शासनादेशों में उल्लेखित सुसंगत लेखा शीर्षकों के नामे डाला जायेगा।

यह आदेश मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या 624/जि0यो0/रा0यो0आ0/मु0रा0/2008 दिनांक 24.03.2008 /शासनादेश संख्या 422/XVI/08/7(26)/08 उद्यान एवं रेशम अनुभाग - 1 दिनांक 17 अप्रैल, 2008/शासनादेश संख्या 425/XVI/08/7(26)/08 उद्यान एवं रेशम अनुभाग - 1 दिनांक 15 अप्रैल, 2008/शासनादेश संख्या 426/XVI/08/7(27)/08 उद्यान एवं रेशम अनुभाग - 1 दिनांक 15 अप्रैल, 2008 के क्रम में जारी किये जा रहे हैं।

(डी.संथिल पांडियन)
जिलाधिकारी,
पिथौरागढ़।

संख्या: 1116 /जि0यो0/प्रा0वि0स्वी0/2008-09 तददिनांकित

प्रतिलिपि निम्नांकित को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित—

1. जिला उद्यान अधिकारी, पिथौरागढ़।
2. आलू एवं शाकभाजी विकास अधिकारी, मुनस्यारी।
3. कोषाधिकारी, डीडीडहाट।
4. वरिष्ठ कोषाधिकारी, पिथौरागढ़।
5. अर्थ एवं संख्याधिकारी, पिथौरागढ़।
6. उप निदेशक, (अर्थ एवं संख्या) कुमायूँ मंडल हल्द्वानी।
7. निदेशक, अर्थ एवं संख्या, देहरादून।

प्रतिलिपि सूचनार्थ प्रेषित।

1. आयुक्त कुमायूँ मंडल नैनीताल।
2. निदेशक, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण, उद्यान भवन, चौबटिया-रानीखेत।
3. निदेशक, एन0आई0सी0, देहरादून।
4. सदस्य सचिव, राज्य योजना आयोग, देहरादून।
5. वित्त अनुभाग-2/राज्य योजना आयोग बजट सैल उत्तराखण्ड शासन देहरादून।
6. महालेखाकार, उत्तराखण्ड देहरादून।
7. सचिव, उद्यान एवं रेशम, उत्तराखण्ड देहरादून।
8. सचिव, नियोजन, उत्तराखण्ड शासन देहरादून।
9. सचिव, वित्त उत्तराखण्ड शासन देहरादून।


जिलाधिकारी,
पिथौरागढ़।